Bank of England :-

बैंक ऑफ इंग्लैंड ग्रेट-ब्रिटेन का केंद्रीय बैंक है। इसकी स्थापना 1694 ई० में पार्लियामेंट के एक विशेष कानून के अनुसार मिश्रित पूँजी की कम्पनी के आधार पर हुई थी, किन्तु 1946 ई० के Bank of England Act के अनुसार इसका राष्ट्रीयकरण किया गया तथा राज्य ने इसकी सम्पूर्ण पूँजी स्वयं ले ली। तब से यह सार्वजनिक संस्था के रूप में कार्य करता है। इस बैंक की व्यवस्था के लिए एक गवर्नर, एक डिपुटी गवर्नर तथा 16 डायरेक्टरों की नियुक्ति चार वर्षों के लिए होती है।

आजकल इस बैंक की वास्तविक व्यवस्था का कार्य इसके गवर्नर तथा चार पूर्णकालिक संचालकों द्वारा किया जाता है। बैंक की दैनिक कार्यवाही की जिम्मेदारी गवर्नर के हाथ में है, किन्तु प्रमुख निर्णयों के लिए बैंक को अपने बोर्ड ऑफ डाइरेक्टर्स पर आश्रित रहना पड़ता है। आवश्यक परामर्श के लिए एक ट्रेजरी कमिटी रहती है जिसमें गवर्नर, डिपुटि गवर्नर तथा पाँच डाइरेक्टर्स रहते हैं। बैंक की कार्यवाही में इस कमिटी का सर्वोच्च

प्रमुख स्थान है। किन्तु पूर्णकालिक संचालकों की नियुक्ति के बाद इनके महत्व में कुछ कमी आ गयी है। बैंक ऑफ इंग्लैंड एक कारपोरेशन या निगम है जिसकी शक्तियों का नियंत्रण इसके चार्टर द्वारा होता है। चार्टर के अनुसार बैंक को बहुत ही व्यापक अधिकार प्राप्त है।

1946 ई० के अधिनियम के अनुसार बैंक अपने मुनाफे का एक निश्चित भाग ट्रेजरी को देता है। इस अधिनियम की सर्वाधिक प्रमुख विशेषता यह है कि इसके अनुसार बैंक ऑफ इंग्लैण्ड को वहाँ के व्यावसायिक बैंकों की कार्यवाही को नियंत्रण के सम्बन्ध में कानूनी अधिकार दिए गए है। व्यावसायिक बैंकों को नियंत्रित करने की इसकी शक्ति की दरअसल में, निम्नलिखित दो सीमाएँ है:-

(1) ऐसा करने के लिए ट्रेजरी से आदेश लेना पड़ता है।

(2) बैंक ऑफ इंग्लैण्ड किसी बैंक की पूरी कार्यवाही के बारे में आदेश दे सकता है।

इस प्रकार बैंक ऑफ इंग्लैण्ड अब किसी भी बैंक को उसकी कार्यवाही के सम्बन्ध में आदेश दे सकता है।

Scanned with CamScanner

बैंक ऑफ इंग्लैंड की आधुनिक प्रवृत्तियाँ:-

द्वितीय महायुद्ध के बाद बैंक ऑफ इंग्लैंड नया बैंकिंग के क्षेत्र में दो नयी प्रवृत्तियों का सूत्रपात हुआ है:-

(1) व्यावसायिक बैंक एवं बैंक ऑफ इंग्लैंड के बीच अब प्रत्यक्ष सम्पर्क स्थापित होना शुरू हो गया है जिसमें सरकारी हुंडियों के आधार पर व्यावसायिक बैंकों ने बैंक ऑफ इंग्लैंड को प्रत्यक्ष रूप से सहायता लेना प्रारम्भ कर दिया है।

(2) बैंक ऑफ इंग्लैंड व्यावसायिक बैंकों तथा मुद्रा-बाजार की संस्थाओं को बैंक-दर पर सहायता देने के लिए सदा तत्पर रहता है।

बैंक ऑफ इंग्लैंड की वर्तमान विवेचना:-

यह पहले की तरह आजकल कोई विस्तृत वार्षिक विवरण नहीं प्रकाशित करता। इसका प्रधान कारण इंग्लैंड की अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा की विपक्षता है। ऐसी स्थिति में बैंक द्वारा देश की आर्थिक स्थिति के सम्बन्ध में विवरण प्रकाशित करने का उचित प्रभाव नहीं पड़ सकता है।